वर्ष-1 , अंक-3 | बेंगलुरु ,शुक्रवार,21 अगस्त 2026 | RNI NO:KNHIN/26/A5540 | Contact:news@bhaarataarth.com | पृठ - 4 ,मूल्य - 5 रुपए

दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ खबर

ख़बर नहीं, उसका अर्थ

सोशल मीडिया परफॉर्मेंस में पीएम मोदी नंबर-1, कैबिनेट मंत्रियों की रिपोर्ट में डिजिटल पहुंच का असर

भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह (Bhaarataarth.com)

नई दिल्ली` 20 अगस्त 2026 केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों की सोशल मीडिया परफॉर्मेंस से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में 1 मई से 15 अगस्त 2026 तक इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर मंत्रियों की गतिविधियों और सोशल मीडिया ट्रैक्शन का आकलन किया गया। इस रैंकिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले स्थान पर रहे हैं।

तीन प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकलन

रिपोर्ट में इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर नेताओं की गतिविधियों को आधार बनाया गया। इसमें सोशल मीडिया पर सक्रियता, लोगों की प्रतिक्रिया और डिजिटल ट्रैक्शन जैसे पहलुओं को देखा गया। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समग्र आकलन में शीर्ष स्थान पर रहे।

पीएम मोदी का नंबर-1 रहना क्या बताता है?

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी का नंबर-1 रहना यह संकेत देता है कि उनकी डिजिटल पहुंच और ऑनलाइन सक्रियता का प्रभाव व्यापक है। राजनीतिक संवाद में सोशल मीडिया अब केवल सूचना साझा करने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि जनता तक सीधे पहुंच बनाने का महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म भी बन चुका है।

इस प्रदर्शन को केवल फॉलोअर्स की संख्या के आधार पर देखना उचित नहीं होगा। सोशल मीडिया पर किसी नेता की प्रभावशीलता को समझने के लिए पोस्ट की नियमितता, लोगों की प्रतिक्रिया और विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की पहुंच जैसे पहलुओं को भी देखना महत्वपूर्ण है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 1 मई से 15 अगस्त के बीच के प्रदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्य केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं की तुलना में शीर्ष पर रहे। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि डिजिटल माध्यमों पर राजनीतिक संचार को लेकर सक्रियता लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है।

Focus Keywords:

पीएम मोदी सोशल मीडिया, सोशल मीडिया परफॉर्मेंस, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, नरेंद्र मोदी नंबर 1, इंस्टाग्राम एक्स फेसबुक, डिजिटल पॉलिटिक्स, भारतार्थ खबर

वंदे मातरम पर घमासान, मांझी ने कांग्रेस को घेरा

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

नई दिल्ली, 20 अगस्त 2026।राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर देश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि जो लोग देश को बांटने की राजनीति करते रहे हैं, वे अब संसद से पारित राष्ट्रगीत के भी हिस्से करने की बात कर रहे हैं। मांझी ने कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है और जनता ऐसे प्रयासों का जवाब देगी। मांझी ने कांग्रेस पर साधा निशाना केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच पर कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उनके बयान के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है। रविशंकर प्रसाद का भी कांग्रेस पर हमला भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी आज भी तुष्टिकरण की राजनीति से बाहर नहीं निकल पाई है। उन्होंने 1937 के उस ऐतिहासिक घटनाक्रम का उल्लेख किया, जिसमें कांग्रेस ने वंदे मातरम् के दो छंदों को स्वीकार किया था। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रतीक है। कांग्रेस ने आरोपों को बताया राजनीतिक भाजपा नेताओं के आरोपों पर कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और संविधान निर्माण में भी उसका योगदान रहा है। उन्होंने भाजपा के इतिहास पर सवाल उठाते हुए कहा कि वंदे मातरम् के दो छंदों को लेकर लिया गया फैसला ऐतिहासिक परिस्थितियों में हुआ था और इसमें रवींद्रनाथ टैगोर की सहमति का भी उल्लेख किया जाता है। दो छंदों को लेकर आमने-सामने भाजपा-कांग्रेस वंदे मातरम् को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बहस लगातार तेज हो रही है।

भाजपा इसे राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताते हुए पूरे राष्ट्रगीत के सम्मान की मांग कर रही है। वहीं कांग्रेस 1937 के कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव और उस समय की परिस्थितियों का हवाला दे रही है। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम से बढ़ा विवाद विवाद की ताजा वजह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम से जुड़ा एक वीडियो बताया जा रहा है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि वंदे मातरम् का पूरा गायन नहीं होने दिया गया और इसे बीच में रोकने का संकेत दिया गया। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया। कांग्रेस का कहना है कि वह 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय का पालन कर रही है, जिसके तहत राष्ट्रीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के पहले दो छंदों के गायन की परंपरा रही है। इसी ऐतिहासिक निर्णय और उसके वर्तमान संदर्भ को लेकर दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

चीनी के दाम पर सरकार सख्त, 1 सितंबर से 15 दिन की स्टॉक लिमिट

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

नई दिल्ली, 20 अगस्त 2026।त्योहारी सीजन से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने चीनी का स्टॉक रखने के नियम और सख्त कर दिए हैं। नया नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। नए प्रावधान के तहत एक महीने में 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का इस्तेमाल या कारोबार करने वाले डीलर 15 दिन से अधिक का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। सरकार का मानना है कि स्टॉक की अवधि कम करने से बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और त्योहारों के दौरान कीमतों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। अगस्त से नवंबर के बीच गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार आते हैं। इस दौरान घरों के अलावा मिठाई, बिस्किट और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों में चीनी की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में सरकार ने आपूर्ति बनाए रखने और अनावश्यक भंडारण रोकने के लिए यह कदम उठाया है। 30 दिन से घटाकर 15 दिन इससे थोक कारोबारियों और बड़े खरीदारों द्वारा जरूरत से ज्यादा चीनी जमा करने पर

हुई सीमा सरकार ने पिछले महीने ही कारोबारियों के लिए चीनी का स्टॉक रखने की सीमा 30 दिन तय की थी। इसके बावजूद कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब स्टॉक अवधि को घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। रोक लगने की उम्मीद है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार देश में चीनी की औसत एक्स-मिल कीमत मंगलवार को करीब 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल रही, जबकि एक वर्ष पहले यह लगभग 3,900 रुपये प्रति क्विंटल थी। यानी कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खुदरा कीमतों का भी बढ़ा बोझ

बढ़ती थोक कीमतों का असर आम उपभोक्ताओं पर भी दिखाई दे रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 46.34 रुपये प्रति किलोग्राम थी। त्योहारी मांग बढ़ने के साथ बाजार में पर्याप्त स्टॉक नहीं रहने पर कीमतों पर और दबाव पड़ने की आशंका है। इसी को देखते हुए सरकार ने स्टॉक लिमिट को और कम किया है। नई फसल और उत्पादन को लेकर चिंता चीनी का नया सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा। इससे पहले शुरूआती स्टॉक को लेकर उद्योग में चिंता बनी हुई है। उद्योग के अनुमान के मुताबिक नए सीजन की शुरूआत में करीब 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध हो सकती है, जबकि कुछ शोधकताओं का अनुमान इससे कम 32-35 लाख टन का है। घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है।

कम शुरूआती स्टॉक के अलावा कुछ क्षेत्रों में कम बारिश और सूखे जैसे मौसम के कारण गन्ने की फसल प्रभावित होने की आशंका भी जताई जा रही है। इसका असर आगामी सीजन में चीनी उत्पादन पर पड़ सकता है। सरकार रख रही स्टॉक पर नजर मौजूदा 2025-26 सीजन में देश में कुल चीनी उपलब्धता करीब 320 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि घरेलू खपत लगभग 285 लाख टन बताई गई है। करीब 7 लाख टन निर्यात के बाद सीजन के अंत में लगभग 35 लाख टन स्टॉक बचने का अनुमान है। खाद्य मंत्रालय चीनी की उपलब्धता और स्टॉक की स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है। मंत्रालय ने चीनी मिलों को ऑनलाइन फॉर्म और सत्यापित ईमेल आईडी के माध्यम से खरीदारों को बेची तथा उनके द्वारा उठाई गई चीनी की सही जानकारी साझा करने के निर्देश दिए हैं। इससे सरकार को देश में चीनी के वास्तविक स्टॉक और आपूर्ति की स्थिति पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

मोहन भागवत की कनाडा एंट्री के समर्थन में 100+ संगठन

भारतार्थ खबर। संवाददाता: (Bhaarataarth.com)

कनाडा, 20 अगस्त 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) के प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कनाडा दौरे को लेकर

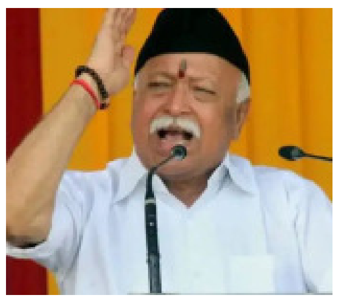

विवाद के बीच 100 से अधिक कनाडाई संगठनों और सिटिजन फोरम ने उनके दौरे का समर्थन किया है। इन संगठनों ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और वरिष्ठ मंत्रियों को पत्र भेजकर आग्रह किया है कि भागवत को कनाडा में प्रवेश देने अथवा रोकने का निर्णय राजनीतिक दबाव के बजाय ठोस सबूत और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के आधार पर किया जाए। सरकार से सबूत के आधार पर फैसला लेने की अपील

यह पत्र प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अलावा सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी अनंदसांगरी, आव्रजन मंत्री लीना मेटलेज डायब और विदेश मंत्री अनीता आनंद को भी भेजा गया है। पत्र ऐसे समय सामने आया है जब कुछ सांसदों और संगठनों की ओर से मोहन भागवत को कनाडा में प्रवेश से रोकने की मांग की जा रही है। समर्थन करने वाले संगठनों का कहना है कि भागवत का प्रस्तावित दौरा कनाडा के हिंदू समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है। पत्र में कनाडा में रहने वाले हिंदू समुदाय की बड़ी आबादी का उल्लेख करते हुए कहा गया कि किसी व्यक्ति के प्रवेश पर निर्णय निष्पक्ष प्रक्रिया और उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए। गंभीर आरोपों पर विश्वसनीय प्रमाण की मांग

भागवत के विरोध में लगाए जा रहे आरोपों पर संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया है। उनका कहना है कि किसी व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं तो उनके समर्थन में विश्वसनीय और स्वतंत्र रूप से सत्यापित किए जा सकने वाले प्रमाण भी सामने आने चाहिए। पत्र में भागवत पर कथित रूप से नफरत भरे भाषण, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का समर्थन, किसी समुदाय को डराने-धमकाने तथा आपराधिक या प्रतिबंधित संगठनों से संबंध जैसे आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि ऐसे गंभीर दावों को बिना प्रमाण स्थापित तथ्य नहीं माना जाना चाहिए। 'आरोप हैं तो प्रमाण भी सामने रखें'

हस्ताक्षरकर्ता संगठनों ने कनाडाई अधिकारियों से इन आरोपों के पीछे मौजूद प्रमाणों को सार्वजनिक करने अथवा उनकी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सरकार के पास विश्वसनीय सबूत हैं तो उनका मूल्यांकन उचित कानूनी और सरकारी प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए। इस पूरे विवाद के बीच भागवत के समर्थकों का कहना है कि कनाडा सरकार को राजनीतिक दबाव से प्रभावित होने के बजाय कानून, प्रमाण और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर फैसला लेना चाहिए। मोहन भागवत के अमेरिका और कनाडा प्रस्तावित दौरे को लेकर सामने आए इस पत्र ने कनाडा में उनके प्रवेश के मुद्दे को नई दिशा दे दी है।

आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएं

सीएम योगी ने की समीक्षा

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईटीआई को उद्योगों से जोड़कर युवाओं के रोजगार अवसर बढ़ाने के निर्देश दिए। गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली में सीआईआईआईटी केंद्र जल्द शुरू होंगे। अनुदेशकों की भर्ती तेज होगी। मंडल मुख्यालयों पर रोजगार मेले लगेंगे। युवाओं को अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देकर वैश्विक रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटीआई को अधिक से अधिक उद्योगों से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण विकसित करने के साथ ही अप्रेंटिसशिप तथा ऑन-जॉब प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर

अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास को रोजगार के साथ वैश्विक अवसरों से भी जोड़ा जाए। आईटीआई और उद्योगों के बीच निरंतर संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए और प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर नियमित रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्वेंशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईआईटी) केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और बरेली केंद्रों का संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 राजकीय आईटीआई के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है, जबकि 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उद्योगों के सहयोग से 37 राजकीय आईटीआई में एडवांस स्किल लैब स्थापित की गई हैं।

CWC बैठक पर JDU का वार, सरकार गिरने की भविष्यवाणी

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

नई दिल्ली, 20 अगस्त 2026।कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की 19 अगस्त को दिल्ली में हुई बैठक के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की बैठक में सीडब्ल्यूसी सदस्यों, स्थायी एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों तथा चार मुख्यमंत्रियों समेत 88 से अधिक लोग शामिल हुए। बैठक में लिए गए फैसलों को लेकर अब जनता दल (यू) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। जेडीयू नेता राजीव रंजन ने राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार गलतफहमियों के शिकार रहे हैं और उनके नेतृत्व में कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर हुई है। 'कांग्रेस राज्यों में सिमटती चली गई'

राजीव रंजन ने दावा किया कि देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस का जनाधार

सिमटता गया है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां भी आंतरिक असंतोष के कारण सरकार कब संकट में आ जाए, इसका अंदाजा राहुल गांधी को नहीं है। जेडीयू नेता ने कांग्रेस पर दिशाहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि देश पर लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी आज लगातार राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है। NDA को बताया मजबूत गठबंधन राजीव रंजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को मजबूत गठबंधन बताते हुए कहा कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एनडीए कई राज्यों में सरकार चला रहा है, जबकि कई अन्य राज्यों में प्रमुख विपक्षी ताकत के रूप में मौजूद है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बयानबाजी से एनडीए की राजनीतिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। उहउ में कई अहम फैसले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में संगठन और राजनीतिक मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पार्टी के अनुसार देश के करीब 800 शहरों में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें राहुल गांधी भी विभिन्न शहरों के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके अलावा राम मंदिर में कथित 'चढ़ावा चोरी' के मामले को लेकर कांग्रेस ने देशभर में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। बैठक में इन मुद्दों के अलावा संगठनात्मक और राजनीतिक रणनीति से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। उहउ बैठक के बाद कांग्रेस और एनडीए के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज होने से आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमाने के आसार हैं।

पंजाब चुनाव से पहले कांग्रेस का कैंपेन प्लान, अगले महीने राहुल गांधी का दौरा

नई दिल्ली: पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अगले महीने से राज्य में अपने चुनावी कैंपेन की औपचारिक शुरूआत करने की तैयारी में है। इस अभियान की शुरूआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पंजाब दौरे से होगी। राहुल गांधी पंजाब पहुंचकर अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में माथा टेकेंगे और इसके बाद पार्टी के चुनावी अभियान की शुरूआत करेंगे। कांग्रेस की कोशिश इस दौरे के जरिए राज्य में पार्टी कार्यकताओं और नेताओं के बीच चुनावी जोश बढ़ाने की है।

महात्मा गांधी की पांडुलिपि ने नीलामी में बनाया रिकॉर्ड, 16.2 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली: महात्मा गांधी के अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी को लिखे गए 688 ऑटोग्राफ वाले विचारों (जिनमें सत्य, अहिंसा और सेवा जैसे विषय शामिल थे) के संग्रह को सैफ्रनआर्ट की नीलामी में 16.20 करोड़ रुपये में बेचा गया। यह नीलामी में बिके किसी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के लिए एक विश्व रिकॉर्ड है। हिंगोरानी की पत्नी विद्या के निधन के बाद दो साल तक मार्गदर्शन, चिंतन और हौसला बढ़ाने वाले रोजाना हाथ से लिखे संदेशों को बाद में अ थॉट फॉर द डे नाम की किताब में संकलित किया गया। ये संदेश दोनों के बीच हुए पत्राचार के सबसे निजी और सुरक्षित बचे हुए दस्तावेजों में से एक हैं।

सुकेश चंद्रशेखर का नया लेटर, आप पर तीन और घोटालों के खुलासे की दी चेतावनी

नई दिल्ली: जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने आम आदमी पार्टी (आप) को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। चंद्रशेखर ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को नया पत्र लिखकर पार्टी से जुड़े तीन और कथित घोटालों का खुलासा करने की चेतावनी दी है। उसका यह पत्र गुरुवार को सामने आया है। सुकेश का दावा है कि दिल्ली की शराब नीति और दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मामलों को लेकर उसने पहले जो आरोप लगाए थे, वे अब सही साबित हुए हैं। सुकेश चंद्रशेखर ने अपने पत्र में आप पर भ्रष्टाचार के गंभीर

आरोप लगाए हैं। उसने पार्टी के नाम को लेकर तंज कसते हुए उसे एनीटाइम, ऑलवेज पार्टी ऑफ स्कैम बताया। चंद्रशेखर ने दावा किया कि वर्ष 2021-22 में उसने भ्रष्टाचार को लेकर जो खुलासे किए थे, उनकी अब पुष्टि हो रही है। पत्र में उसने कहा कि शराब नीति मामले के बाद दिल्ली जल बोर्ड का मामला सामने आया है। इसके साथ ही उसने दावा किया कि आप से जुड़े तीन अन्य विभागों में कथित घोटाले और भ्रष्टाचार को भी जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। सुकेश ने अपने पत्र में पंजाब को लेकर भी आप को चेतावनी दी। उसने कहा कि पार्टी दिल्ली में जो कुछ हुआ, उसे भूलकर पंजाब की जनता को दोबारा भ्रमित करने की कोशिश न करे। उसने दावा किया कि पंजाब में पार्टी के खिलाफ लोगों में इससे भी ज्यादा नाराजगी देखने को मिल सकती है। सुकेश ने पत्र में कहा कि भले ही आप के नेता इस पूरे मामले को लेकर भ्रम में हों, लेकिन उसे पुरानी बातें याद हैं। उसने दावा किया कि वह जल्द ही ऐसे खुलासे करेगा, जिससे पार्टी को झटका लगेगा। उसने केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को संबोधित करते हुए लिखा कि जेल से उनके लिए यह उसकी ओर से 2.0 बधाई है ।

हमारे लिए वंदे मातरम भावनात्मक विषय, भाजपा के लोग नकली राष्ट्रवादी: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को ‘वंदे मातरम्’ को लेकर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निशाना साधे जाने के बाद पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छात्रों तथा राम मंदिर से कथित चंदा चोरी जैसे विषयों से ध्यान भटकाने के लिए राष्ट्र गीत को लेकर विवाद खड़े करना चाहती है, जबकि उसके (भाजपा के) लोग झूठे और नकली राष्ट्रवादी हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ट्राइड (परखे जा चुके) और टायर्ड (थक चुके) हैं तथा अब उन्हें जल्द ही रिटायर हो जाना चाहिए। रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और भाजपा छात्रों के मुद्दे और राम मंदिर से चंदा चोरी तथा आस्था के साथ धोखा जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को छात्रों के हक की मांग उठा रहे प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने जो अत्याचार पर किया है, उसके खिलाफ दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की और एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जोयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि इस समिति में सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज, किसी हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और एक वरिष्ठ रिटायर्ड पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इस उच्चस्तरीय पैनल को मामले के तथ्य जुटाने का काम सौंपा जाएगा और इसे समय-समय पर अपनी रिपोर्ट देनी होगी, जिसके आधार पर न्यायालय आवश्यक निर्देश जारी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि समिति महिला प्रदर्शनकारियों के साथ यौन उत्पीड़न, ऑनलाइन उत्पीड़न (साइबर बुलिंग) और सोशल मीडिया के जरिए संवेदनशील,कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी। शीर्ष अदालत के इस फैसले से यह तो स्पष्ट हो चुका है कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे निहत्थे लोगों पर दमनकारी उपाय आजमाए गए थे। हालांकि 20 जुलाई के सैकड़ों-हजारों वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि प्रदर्शनकारियों को मारा-पीटा गया। पीटने वालों में पुलिस की वर्दी पहने लोग भी हैं, जिनमें कईयों की वर्दी पर कोई नाम नहीं है, वहीं कुछ लोग सादे कपड़ों में भी पीटते हुए दिखे। किसी लड़की को पुरुष पुलिसकर्मी ने पीटा तो किसी तिरंगा पकड़े हुए लड़के को पुलिस ने उठा कर पटक दिया, जिससे उसके हाथों से तिरंगा भी जमीन पर गिरा। राहुल गांधी ने तो प्रदर्शनकारियों पर बर्बरतापूर्ण तरीके से पैलेट गन के इस्तेमाल का भी न केवल आरोप लगाया, बल्कि उससे घायल लोगों को मीडिया के सामने प्रस्तुत भी किया। सरकारी अस्पतालों की भी रिपोर्ट आई है कि कम से कम 10 मरीज ऐसे आए जो पैलेट गन से घायल हुए हैं। विपक्षी दलों ने सरकार से इसी पर जवाब मांगा कि प्रदर्शनकारियों पर ऐसे भयावह दमन की इजाजत किसने दी। लोकतंत्र के सबसे बड़े स्थल संसद में बाकायदा सरकार से सवाल पूछा गया, लेकिन जवाब देने की जगह गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में आना ही जरूरी नहीं समझा। इधर मंगलवार को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि इतने बड़े आंदोलन के बावजूद किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई, किसी की एक हड्डी नहीं टूटी और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन का पैमाना बड़ा था और इसमें कथित तौर पर कुछ श्अपराधीश भी छात्रों के रूप में शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, श्डफली बजाने वाले प्रदर्शनकारियोंश, भीम आर्मी और समाजवादी पार्टी से जुड़े कई लोग आंदोलन में आए और उन्होंने लोगों को भड़काया। इसके बाद भाजपा शासन के चिर-परिचित अंदाज में किरण रिजिजू ने कांग्रेस की गलती बताते हुए कहा कि उस के शासनकाल में कई आंदोलनों में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उनके मुताबिक, अगर इसी तरह का आंदोलन कांग्रेस के शासनकाल में हुआ होता तो स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर हो सकती थी। समझ नहीं आता कि 12 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा कब तक कांग्रेस सरकार के दौर को याद करती रहेगी। किरण रिजिजू ने कह दिया और सामने सवाल कर रहे पत्रकार ने पलट कर पूछा भी नहीं कि कांग्रेस शासन के किस दौर में हजारों लोग आंदोलनों में मारे गए। अगर ऐसा सवाल किया होता तो पता चलता कि किरण रिजिजू तथ्यों पर बात कर रहे हैं या नहीं। जिस तरह उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की भी मौत नहीं हुई, एक भी हड्डी नहीं टूटी, तो क्या सरकार में बैठे लोग यही चाहते हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा कुछ बुरा हो। दिल्ली पुलिस को क्लीन चिट देते हुए श्री रिजिजू ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान दिल्ली प्रशासन ने शुरूआत में एक भी लाठी का इस्तेमाल नहीं किया। प्रदर्शनकारियों को तब रोका गया जब उन्होंने जबरन संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की। मान लेते हैं कि पुलिस द्वारा बल प्रयोग का यही सही कारण है। लेकिन सवाल फिर भी उठता है कि अमित शाह ने यही बात संसद में आकर क्यों नहीं बता दी। बिना वजह पूरा मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। सवाल यह भी है कि जब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई होनी ही थी तो उससे पहले किरण रिजिजू ने इस पर दिल्ली पुलिस को सही कैसे ठहरा दिया। क्या न्यायाधीन मामले पर टिप्पणी करने से पहले उन्होंने विचार नहीं किया। गृहमंत्री ने अब तक इस मामले पर अपनी तरफ से कुछ नहीं कहा है, तो क्या ऐसे में हम उम्मीद कर सकते हैं कि सुप्रीम कोर्ट जो जांच कमेटी बनाएगी, वो पुलिस अत्याचार की शत प्रतिशत सही तस्वीर देश के सामने पेश करेगी। क्योंकि पूर्व के अनुभव यही बताते हैं कि ऐसी कमेटियां सालोंसाल जांच में वक्त बिताती हैं और असली दोषी आराम से बच निकलते हैं। जनता भी धीरे-धीरे ऐसे मामलों को भूल जाती है।

बलमा जी का स्टूडियो कहानी संग्रह की समीक्षा

समीक्षक- लालबहादुर चौरसिया लाल
आजमगढ़, 9452088890

साहित्य शब्दों का मकड़जाल नहीं, वरन साहित्यकार की मनोवृत्ति, देश-काल, समाज, संस्कार एवं परिस्थितियों का एक विशाल दस्तावेज होता है, जिसे पढ़कर पाठक साहित्यकार की साहित्य साधना,लेखन-शैली के साथ-साथ सामाजिक विसंगतियों, कुरीतियों, प्रथाओं, रिवाज एवं मानवीय मूल्यों से परिचित होता है। साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की दशा-दिशा का यथार्थ चित्रण करते हुए उसे पटल पर लाने का महनीय कार्य करता है, जिससे संपूर्ण जनमानस रू-ब-रू होता है।

अभी हाल में मैंने ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ. सोनी पांडेय द्वारा लिखा गया कहानी संग्रह बलमा जी का स्टूडियो पढ़ा। सन 2018 में रश्मि प्रकाशन, लखनऊ से प्रकाशित यह कुल 10 कहानियों का एक मजबूत कहानी संग्रह है। आज स्मार्टफोन एवं इंटरनेट के सोशल मीडिया के भरे जाल में उलझा पाठक वर्ग पुस्तकों से दूर होता जा रहा है, जो दुखद है। जिसका शिकार मैं भी हूँ।

पिछले दिनों मैं डॉ. श्यामवृक्ष मौर्य जी की तीन पुस्तकों की पांडुलिपियाँ लेकर 'स्पीच पब्लिकेशन', आजमगढ़ पहुँचा। जहाँ मेरी मुलाकात स्पीच पब्लिकेशन के मालिक श्री सत्यम प्रजापति से हुई। सत्यम जी मेरे पुराने परिचित थे। अतः काफी सम्मान मिला। वहाँ पर अनेक साहित्यिक पुस्तकों का जखीरा पड़ा था। वहीं मुझे कहानी संग्रह बलमा जी का स्टूडियो हाथ लगा। कुछ गुदगुदी पैदा करता शीर्षक, पुस्तक पढ़ने की अभिलाषा जगा गया। डॉ अजय गौतम को भेंट किया गया यह कहानी संग्रह सत्यम जी से मांगकर मैं घर ले आया।

अगले दिन कहानी संग्रह का पन्ना पलटते ही मेरी मुलाकात उषा किरण खान जी द्वारा लिखी गई भूमिका से हुई। साहित्य जगत में एक बड़ा नाम उनका सुन रखा था। सो भूमिका पढ़ने की इच्छा हुई और पढ़ गया। मात्र एक पृष्ठ में समायी भूमिका पूरी 118 पृष्ठों एवं 10 कहानियों के विस्तार को समेटने में सक्षम थी। अगला पन्ना पलटा। मोटे अक्षरों में शीर्षक था दो बातें रचनाकार की। तभी हमारे अत्यंत प्रिय कवि मित्र श्री राकेश पांडे 'सागर' जी मेरी दुकान पर आ गए। किताब को बंद करते हुए मैंने उनका अभिवादन किया। उन्होंने पूछा, क्या पढ़ रहे थे भाई साहब? मैं पुस्तक को दिखाते हुए बताया, यही एक कहानी संग्रह है - 'बलमा जी का स्टूडियो'। वे चौंक पड़े, अरे! यह कहानी संग्रह सोनी पांडेय द्वारा लिखा गया बड़ा ही मजेदार कहानी संग्रह है। हमने भी पढ़ा है। आव-भगत, हाल-चाल और कुछ बातें हुईं। आधे घंटे का समय बीत गया। कवि मित्र चले गए। लेकिन एक बात दिमाग में नाच उठी - बड़ा ही मजेदार कहानी संग्रह है। मैं दुकानदारी में व्यस्त हो गया, लेकिन उनकी बात मेरे दिमाग में नाचती रही।

अगले दिन अपनी स्टेशनरी की दुकान पर खाली बैठा था। एकाध ग्राहक आ रहे थे। सोचा, वह कहानी संग्रह ही पढ़ लूँ। यह क्या, दुकान से किताब ही गायब! इधर-उधर ढूंढा, कहीं पता ही नहीं चला। यहीं तो रखा था, किताब गई तो कहाँ गई? मुझे परेशान देखकर मेरे ज्येष्ठ पुत्र ने मुझसे पूछा, क्या हुआ? क्यों इतना परेशान है? क्या ढूंढ रहे हैं? मैंने झुंझलाते हुए, एक कहानी की किताब थी - 'बलमा जी का स्टूडियो'। यहीं रखा था, मिल नहीं रही है। वह मुस्कुराते हुए बोला, अरे उसे तो हम ले गए हैं। बड़ी मजेदार कहानी है उसमें। मेरा माथा ठनका। सभी कह रहे हैं बड़ी मजेदार कहानी है। आखिर क्या है इसमें? बेटे पर बाप का रौब दिखाते हुए किताब अपने कब्जे में लिया और पढ़ने में लीन हो गया। कई दिनों तक यह पुस्तक मेरी सहयात्री बनी रही। किताबें पढ़ना मेरे लिए कठिन काम है। किंतु व्यक्ति को जब किसी चीज की ललक हो जाए तो कठिनाईयां रफूचक्कर हो जाती हैं। पहली कहानी 'बलमा जी का स्टूडियो' चार दिन में खत्म हुई। दूसरी कहानी 'टूटती वर्जनाएँ' दो दिन में, तीसरी 'स्वर्ग-नरक' एक दिन में। इसी तरह धीरे-धीरे अंजुमन खाला को गुस्सा क्यों आता है बुद्धि शुद्धि महायज्ञ जाजिम कील सूरमा भोपाली एही ठैयां मुनरी हेरानी हो रामा और मोरा साड़ी अनाड़ी ना माने राजा अर्थात दसों कहानी पढ़कर मुझे असीम सुख मिला। कितना गहरा अनुभव एवं श्रमसाध्य रहा होगा इस कहानी संग्रह का लेखन!

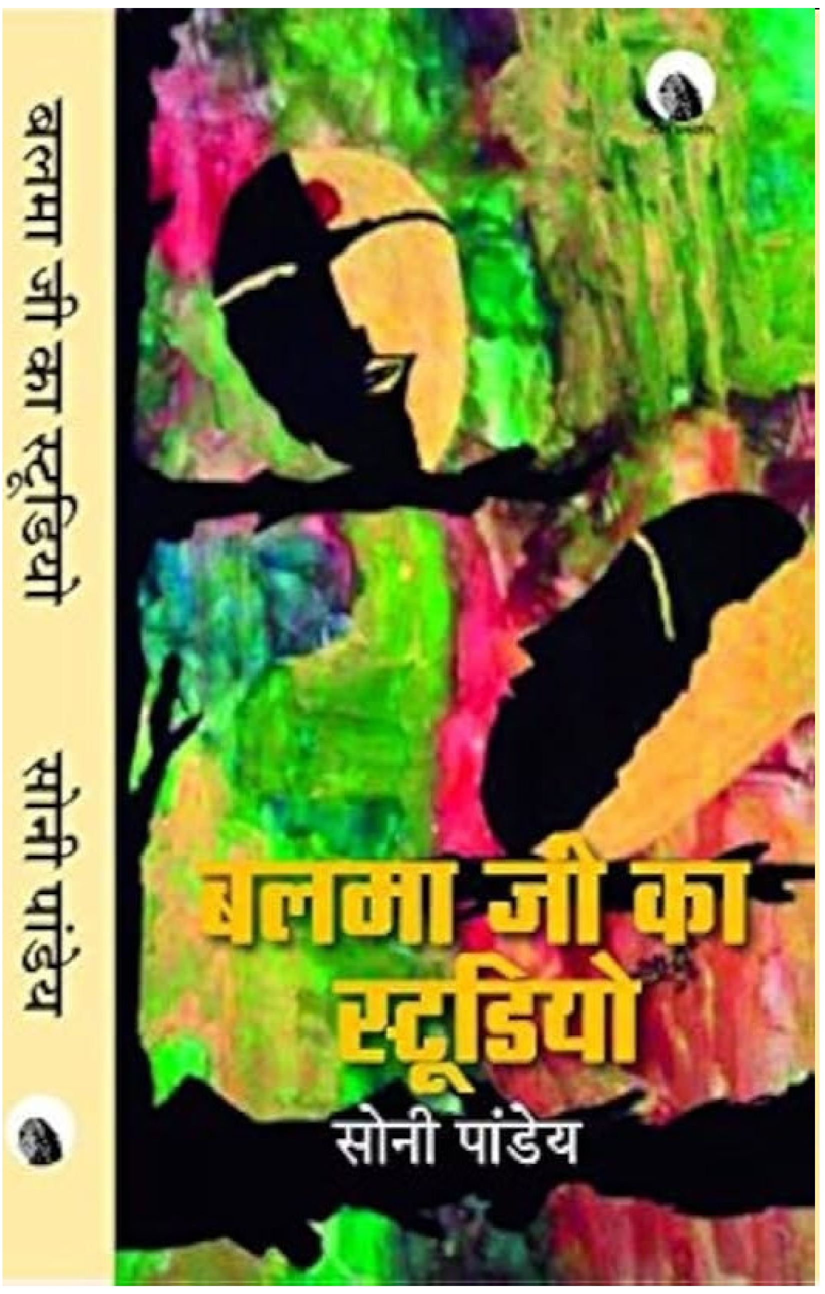

इस कहानी संग्रह की पहली कहानी में विशुद्ध ग्रामीण जीवन, अभाव एवं सीमित संसाधनों के साथ-साथ खिलखिलाता गाँव है। किशोरों व किशोरियों के मन में प्रेमांकुरण एवं उनकी मनोदशा का बड़ा ही यथार्थ वर्णन है। यह कहानी आज से लगभग 25-30 वर्ष पहले से लेकर आज तक के बदलते परिवेश से दग्ध ग्रामीण संस्कृतियों, मान्यताओं, परंपराओं, रीति-रिवाजों का एक रूपहला गुलदस्ता है, जहाँ भिन्न-भिन्न मनोभावों वाले ग्रामीण एवं उनका दृष्टिकोण नजर आता है। लगभग सभी कहानियाँ गाँव की विशालता समेटे हुए मह-मह महक रही हैं। लेखिका डॉ सोनी पांडेय ने अपने कहानी संग्रह में गाँव को गाँव जैसा ही उतारा है। कोई बनावटीपन नहीं। कोई दिखावटी नक्काशी नहीं। यही इस कहानी संग्रह की मुख्य विशेषता है। पहली कहानी का एक अंश देखें - पृष्ठ संख्या 10

(कोली में साइकिल के पुराने टायर को सिटकुन से मार-मार भागते नग-धड़ंग बच्चे। इनार की जगत पर गोंटी खेलती, खपर-खपर झोंटा खजुआती लड़कियाँ। कुछ कांख में भाई-भतीजे को दबाए खड़ी होकर तमाशा देखतीं..., कुछ डाली में अनाज लेकर बनिए की दुकान से तेल-मसाले की खरीद को जातीं। औरतें सुबह-शाम नियम से खेत की ओर निकलतीं निबटने और डगर में रुककर टोह-टक्कर, इनकी-उनकी लेते चलतीं। मर्द किसानी से निजात पाकर रात को चौबे जी के बरामदे में बैठ गायकी करते। कभी फगुआ, कभी चैता, कभी भजन-कीर्तन। नवयुवकों का भी अपना मंगल दल था, जो समय-समय पर नौटंकी खेलता। जब बरखा नहीं होती, शिव जी की पिंडी इनार में रस्सी से लटका कर रात भर कीर्तन होता, इस आस में कि अकबका के डूबे रहने पर शिव जी जागेंगे और इंद्र को ललकार कर बरखा कराएंगे।)

लेखिका डॉ. सोनी पांडेय ने अपनी बेबाक लेखनी से आज के बदलते ग्रामीण परिवेश का बड़ा ही मर्मस्पर्शी वर्णन किया है। कहानी पढ़ते समय पाठक को अपना गाँव, अपना बचपन, अपने मित्र, अपने खेत-खलिहान, अपना सिवान, अपनी पगडंडी, अपना बाजार सब कुछ दृश्यमान हो उठेगा तथा आज उनमें हो रहे बदलाव से आत्मसात करता उनका मन जरूर मसोस उठेगा। यह कहानी संग्रह ठेठ गंवई शब्दों के विशाल शब्द-भंडार का भंडारण है। स्मृतियों से ओझल हुए देशज शब्द मुस्कुरा-मुस्कुरा कर हमारा अभिनंदन करने को आतुर से लगते हैं। गाँव की सोंधी मिट्टी की चाशनी में पगे वाक्य ग्रामीण विरासत का चरम गुणगान करते प्रतीत होते हैं।

'टूटती वर्जनाएँ' कहानी में सोनी पांडेय जी ने सिर्फ एक गलत कुल-परंपरा के माध्यम से समाज में व्याप्त हजारों पाखंडी परंपराओं पर कुठाराघात करने का सफल प्रयास किया है। कुल की परंपरा के हवन-कुंड में स्वाहा होती एक पढ़ी-लिखी स्त्री की मनःस्थिति के माध्यम से लेखिका ने समाज को जगाने का पुनीत कार्य किया है। घर में आई नवेली वधू को एक सिवान में स्थित किसी काल्पनिक 'चमइया माई' के स्थान पर अपने पति के साथ नग्न होकर पूजन करना - एक विकृत परंपरा का निर्वहन नहीं तो क्या है? डॉ. सोनी सिर्फ कहानी नहीं बुनतीं, बल्कि दूसरे पक्ष के साथ खड़ी होकर तमाम तर्कों द्वारा विकृत परंपरा का खंडन-मंडन भी करती हैं। मातृसत्ता पर पितृसत्ता के दबदबे पर भी उनकी गहरी दृष्टि है। कहानी लिखते समय अमर्यादित शब्द भी मर्यादित, जरूरी और चमत्कारिक हो उठते हैं। तभी तो लेखिका लिखती हैं - पृष्ठ संख्या 41

(एक दिन ज्योत्सना ने पूछा, चाची जी, आप चमइया माई की पूजा करते, असहज नहीं हुई थीं?

काहे की असहजता, बहिनी! देहिये न देखेगी छिनरी। कोठरी में घुसकर उसके कपार पर टांग पसरकर खड़ी हो गई। साया उठा दिया और गाने लगी... 'देखो देखो चमइया हमार सुतुही... देखो'... और ठठाकर हंसते-हंसते लोटपोट हो गईं।)

कहानी 'स्वर्ग-नरक' में सोनी पांडेय ने ग्रामीण संपन्न व्यवसायी परिवार के माध्यम से बुजुर्गों की दशा का बड़ा ही मार्मिक चित्रण किया है, जो हमें सोचने पर मजबूर करता है। चार-चार पुत्रों व बहुओं के बाद भी परिवार की रीढ़ बुढ़िया की स्थिति के माध्यम से सोनी जी ने कहानी की जो बुनावट की है, वह बिल्कुल यथार्थ और आज की सच्चाई है। देखें पृष्ठ संख्या 48

(अंततः पिछले तीस सालों से जिस आँगन की खूबसूरत कोठरी में विमला देवी रहती आ रही थीं, जिसे पति ने बड़े शौक से उनके लिए बनवाया था, उससे निकाल दी गईं। ऊपर की कोठरी में एक पलंग और जरूरत की चीजें रख दी गईं। भयंकर गर्मी में एक कूलर रख तो दिया गया, पर उसमें पानी डालने और चलाने की सुध किसी को नहीं रही।)

डॉ. सोनी पांडेय कहानी में सिर्फ समस्याओं का वर्णन नहीं करतीं, बल्कि समस्याओं का कारुणिक बोध भी कराती हैं। अंततः वही वृद्धा देख-रेख के अभाव में मर जाती है। समाज के समक्ष परिवार का बनावटीपन वर्णन करने से डॉ. सोनी नहीं चूकतीं, कह ही जाती हैं। पृष्ठ 55

(दोपहर तक लाश उठ गई। हजारों की संख्या में लोग शवयात्रा में शामिल हुए। तेरहवीं के दिन दान का आलम देखने लायक था। ट्रक से महिला मंडल ने साड़ियाँ, कंबल, बर्तन, फल और राशन के पैकेट मंगाए। दिनभर गरीबों में बाँटा। मनोरमा सफेद सिल्क की साड़ी पहने एक सौ एक ब्राह्मणों के पाँव खुद पखार रही थी। सेज-दान में पूरी रसोई के उपयोग के बर्तन, एक साल का राशन, पलंग, गद्दा, रजाई, तकिया विशेष ऑर्डर देकर बनवाया गया था।)

सोनी जी को अपनी कहानी में पक्ष और विपक्ष साथ में लेकर चलने की क्षमता है। इसी कहानी में एक और परिवार है - संजय और रेखा जो कि पति-पत्नी हैं तथा संजय की माँ अर्थात रेखा की सास भी हैं। रेखा एक कुलीन पुत्रवधू एवं आदर्श पत्नी धर्म का निर्वहन बड़ी ही तन्मयता से कर रही है, जहाँ रेखा को अपनी सास में साक्षात अपनी माँ के दर्शन हो रहे थे। निश्चित रूप से यह कहानी समाज की दिशा बदलने में भावनात्मक बदलाव पैदा कर सकती है।

'अंजुमन खालो को गुस्सा क्यों नहीं आता' नामक कहानी के माध्यम से सोनी जी ने अपनी उत्कृष्ट लेखन-शैली का शानदार नमूना पेश किया है। गंगा-जमुनी तहजीब में डूबती-उतराती यह कहानी प्रेरणा से भरपूर है। वाक्यों की फुलवारी लगाना तो कोई लेखिका सोनी से सीखे। एक बानगी देखें, पृष्ठ संख्या 60

(दिन, महीने, साल बीते। हरसिंगार खिलकर झर गए। सावन के झूले उतरे और औरतें फगुआ की फुनगी पर बैठ सपनों की सतरंगी ओढ़नी ताने फुदकती-महकती-गमकती जीने लगीं, अपने औरत होने के तमाम रंजो-गम सहेजे। गली-मोहल्ले में धीरे-धीरे रौनक लौटने लगी। रंगरेज गली फिर से गुलजार हो उठी।)

समाज में व्याप्त भेदभाव, जाति-पाँति एवं छुआछूत की विशाल खाई की तरफ ध्यान आकृष्ट कराते हुए लेखिका ने बड़े ही पेचीदगी से उसे पाटने का प्रयास किया है। देखें पृष्ठ संख्या 61

(सना चने दाल का हलवा, खुरमा और चिप्स लिए चारपाई पर आकर बैठ गई। हिंदू लड़कियाँ कुछ खाने में संकोच कर रही थीं। सभी असहज थीं इस भय से कि कैसे खाएँ, मुसलमान के घर का? खासकर तीन पंडित और दो ठाकुर घरों की लड़कियों - पाँचों ने मना कर दिया। बची मैं और दो-तीन। सना ने न जाने क्या सोचकर बर्फी के आकार में कटा चने दाल का हलवा मेरी तरफ बढ़ाया। प्यार भरी सजल आँखें देख संकोचते, अम्मा से डरते हुए एक पीस उठा लिया और पहला टुकड़ा काटते ही तारीफ करने लगी - सच में, हलवा हमारे घरों के बेसन के हलवे से अलग और स्वादिष्ट है। मैं खा रही थी। धीरे-धीरे सबके हाथ बढ़ने लगे - कि यदि ये पंडित होकर खा सकती हैं तो हम क्यों नहीं?)

कहानी 'जाजिम' इस कहानी संग्रह की प्राण है। चारदीवारी से घिरे एक घर में भाइयों का आपसी प्रेम, बहुओं का आपसी मेल-मिलाप और फिर उसमें एक विधवा का होना, वैधव्य जीवन की विभीषिका, कुछ समय बाद दरकती संबंधों की दीवारों तथा शहरी पलायन में विभाजित परिवारों का दंश झेलती एवं अकेलापन महसूस करती एक बेवा गृहिणी की मनोदशा का व्यापक एवं मर्मस्पर्शी वर्णन है।

इस कथा संग्रह की प्रत्येक कहानी का कथानक हमें भीतर तक झकझोर कर रख देता है। सभी कहानियां ग्रामीण परिवेश के विभिन्न ताने-बाने के साथ एक नए बिंदु की तरफ हमारा ध्यान आकर्षित करती हैं। कहानी का मूल तत्व सभी कहानियों में विद्यमान है। कहानी में प्रवाह निरंतर बना हुआ है। जो सदैव जिज्ञासा उत्पन्न करता है। किंतु कहानी में कहीं-कहीं दोहराव की स्थिति है। भारी मात्रा में देशज शब्दों के प्रयोग से आजकल की युवा पीढ़ी कथा के मर्म को समझने में अकुलाहट अवश्य महसूस करेगी। हालांकि इसमें कहानीकार का कोई दोष नहीं है। कुल मिलाकर बलमा जी का स्टूडियो कथा संग्रह एक ऐसा सफल साहित्य पुष्प है जो निरंतर अपनी महक से साहित्य जगत को महकाता रहेगा। इस महत्वपूर्ण एवं श्रमसाध्य कृति के लिए मैं कथाकार डॉ सोनी पांडेय जी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। आप निरंतर साहित्य जगत में नये नये किर्तिमान गढ़ती रहें।

-लालबहादुर चौरसिया लाल
साहित्यकार एवं कवि
(महामंत्री - विश्व हिंदी शोध एवं संवर्धन अकादमी आजमगढ़ इकाई)

मेघनाद और सुलोचना : पितृभक्ति, पतिव्रता धर्म और अहंकार के अंत की अमर कथा

'श्री राम सोनी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

रामायण केवल देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध की कथा नहीं है। यह मनुष्य के भीतर चलने वाले धर्म-अधर्म, कर्तव्य-मोह, प्रेम-प्रतिशोध और विवेक-अहंकार के संघर्ष का भी विराट आख्यान है। मेघनाद और सुलोचना की कथा इसी मानवीय द्वंद्व का अत्यंत मार्मिक पक्ष सामने रखती है। मेघनाद–जिसे संसार इंद्रजीत के नाम से जानता है–असाधारण पराक्रम, शौर्य और युद्धकौशल का प्रतीक था। उसने देवराज इंद्र तक को पराजित किया था, लेकिन उसके जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही रही कि जिस विवेक से वह समझ चुका था कि रावण का मार्ग विनाश की ओर ले जा रहा है, उसी विवेक के बावजूद वह अपने पिता का साथ छोड़ नहीं सका। यहीं से यह कथा हमें एक कठिन प्रश्न के सामने खड़ा करती है–क्या पुत्रधर्म के नाम पर अधर्म का साथ देना उचित है?

मेघनाद जानता था कि सीता का हरण रावण के अहंकार का परिणाम है। वह यह भी समझता था कि राम कोई साधारण मनुष्य नहीं हैं और लंका पर संकट वास्तविक है। फिर भी उसने पिता के प्रति अपनी निष्ठा को सर्वोपरि माना। उसके लिए पिता केवल लंकापति रावण नहीं थे, बल्कि वह व्यक्ति थे जिन्होंने उसे जीवन, शिक्षा, पहचान और गौरव दिया था। मेघनाद की यही स्थिति उसकी महानता भी बनती है और उसकी त्रासदी भी। मेघनाद का चरित्र इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह अंधा योद्धा नहीं था। वह परिस्थितियों को समझता था। उसे सत्य का बोध था, लेकिन वह मोह से मुक्त नहीं हो पाया। यही मानवीय कमजोरी महान से महान व्यक्ति को भी विनाश के रास्ते पर ले जा सकती है। इसके विपरीत सुलोचना का चरित्र त्याग, प्रेम और धैर्य की चरम अभिव्यक्ति बनकर सामने आता है। उसने अपने पति के अंत को पहले ही भांप लिया था। उसने मेघनाद को युद्ध से रोकने का प्रयास किया, लेकिन जब पति ने अपना निर्णय ले लिया, तो उसने विलाप करने के बजाय उसके निर्णय के साथ खड़े होने का साहस दिखाया। मेघनाद की मृत्यु के बाद सुलोचना का राम के शिविर में जाना इस कथा का सबसे मार्मिक पक्ष है। एक ओर वह शत्रु शिविर में अपने पति का शीश लेने जाती है, दूसरी ओर श्रीराम के सामने वह प्रतिशोध नहीं, बल्कि अपने पति के अंतिम संस्कार का अधिकार मांगती है। यही प्रसंग युद्ध के बीच भी मयार्दा और मानवीय संवेदना की उपस्थिति को रेखांकित करता है।

यहाँ श्रीराम का चरित्र भी विशेष रूप से सामने आता है। शत्रु के योद्धा की पत्नी के प्रति सम्मान और उसके अधिकार की रक्षा करना यह बताता है कि धर्म केवल युद्ध जीतने का नाम नहीं, बल्कि शत्रु के प्रति भी मयार्दा बनाए रखने का नाम है। मेघनाद की मृत्यु को केवल एक वीर योद्धा की पराजय के रूप में देखना इस प्रसंग की व्यापकता को कम कर देना होगा। वास्तव में यह उस व्यवस्था के पतन का संकेत थी, जिसकी नींव अहंकार पर खड़ी थी। मेघनाद लंका की सैन्य शक्ति का सबसे मजबूत स्तंभ था। उसके गिरते ही रावण की विजय की अंतिम आशा भी कमजोर पड़ गई। सबसे विडंबनापूर्ण बात यह है कि रावण को अपने पुत्र की मृत्यु के बाद भी अपने निर्णय की भूल का पूर्ण बोध नहीं हुआ। पुत्र-वियोग ने उसके भीतर पश्चाताप पैदा करने के बजाय प्रतिशोध की अग्नि और तेज कर दी। यही अहंकार की अंतिम अवस्था है–जब विनाश सामने खड़ा हो और मनुष्य फिर भी अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय दूसरों को दोष देता रहे।

मेघनाद का अंत हमें बताता है कि वीरता और धर्म एक ही चीज नहीं हैं। कोई व्यक्ति अत्यंत पराक्रमी हो सकता है, अपने परिवार के प्रति अत्यंत निष्ठावान हो सकता है, फिर भी गलत पक्ष में खड़ा हो सकता है। इतिहास में उसकी वीरता का सम्मान किया जा सकता है, लेकिन उसके निर्णय की नैतिक समीक्षा भी आवश्यक है। सुलोचना की कथा दूसरी ओर यह प्रश्न उठाती है कि प्रेम की अंतिम सीमा क्या है? अपने पति के प्रति उसका समर्पण भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में पतिव्रता आदर्श के रूप में देखा गया है। लेकिन इस प्रसंग का व्यापक मानवीय अर्थ इससे भी आगे जाता है–यह उस स्त्री की दृढ़ता की कथा है, जिसने युद्ध, मृत्यु और विनाश के बीच भी अपने विश्वास को नहीं छोड़ा। आज के समय में मेघनाद और सुलोचना की कथा को केवल धार्मिक आख्यान के रूप में पढ़ना पर्याप्त नहीं है।

भारतीय संस्कार और सोशल मीडिया : डिजिटल युग में मयार्दा की चुनौती

आज भारत तकनीकी विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें स्मार्टफोन और सोशल मीडिया जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और संवाद के लिए डिजिटल मंचों ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। लेकिन इसी सुविधा के साथ एक गंभीर सामाजिक चुनौती भी सामने खड़ी है–क्या हमारी आने वाली पीढ़ी डिजिटल दुनिया की चमक के बीच अपने भारतीय संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों को सुरक्षित रख पाएगी? भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति उसके संस्कार रहे हैं। परिवार का सम्मान, बड़ों के प्रति आदर, छोटों के प्रति स्नेह, संयम, मयार्दा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते रहे हैं। पहले बच्चों के विचारों और व्यवहार को प्रभावित करने वाले प्रमुख माध्यम परिवार, विद्यालय, समाज, साहित्य और आसपास का वातावरण हुआ करते थे। आज इस सूची में एक ऐसा माध्यम जुड़ गया है, जिसकी पहुंच लगभग चौबीस घंटे बच्चों और युवाओं के हाथों में है–सोशल मीडिया। सोशल मीडिया अपने आप में न तो अच्छा है, न बुरा। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस उद्देश्य और किस सीमा तक किया जा रहा है। इसके माध्यम से ज्ञानवर्धक सामग्री, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक विचारों का प्रसार संभव है। लेकिन दूसरी ओर अश्लीलता, हिंसा, नफरत, भ्रामक सूचनाएं, आपत्तिजनक भाषा और मानसिक रूप से अपरिपक्व बच्चों के लिए अनुपयुक्त सामग्री भी तेजी से प्रसारित हो रही है। यहीं से नियमन की आवश्यकता सामने आती है।

जब किसी फिल्म को सार्वजनिक प्रदर्शन से पहले निर्धारित प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, तो डिजिटल मंचों पर उपलब्ध सामग्री के संबंध में भी प्रभावी और व्यावहारिक व्यवस्था पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। हालांकि सोशल मीडिया की प्रकृति फिल्मों से बिल्कुल अलग है और पारंपरिक सेंसरशिप को उसी रूप में लागू करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए उचित। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि डिजिटल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आयु-आधारित डिजिटल सुरक्षा, अभिभावकीय नियंत्रण, आपत्तिजनक सामग्री की त्वरित शिकायत और कार्रवाई, बच्चों को लक्षित करने वाली हानिकारक सामग्री पर प्रभावी रोक तथा प्लेटफॉर्म की जवाबदेही जैसे उपायों को और मजबूत करने की आवश्यकता है। आज घर के दरवाजे बंद करके माता-पिता यह नहीं मान सकते कि बाहरी प्रभाव घर से बाहर ही रह गए हैं। स्मार्टफोन की एक स्क्रीन के माध्यम से दुनिया सीधे बच्चे के कमरे तक पहुंच रही है। समस्या यह है कि कई बार माता-पिता को यह भी पता नहीं होता कि उनका बच्चा क्या देख रहा है, किन लोगों से संपर्क कर रहा है और किस प्रकार की विचारधारा या सामग्री उसके मन पर प्रभाव डाल रही है।

इसलिए केवल सरकार को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं होगा। डिजिटल संस्कार की पहली पाठशाला परिवार को ही बनना होगा। माता-पिता बच्चों को मोबाइल देने के साथ यह भी सिखाएं कि डिजिटल दुनिया में क्या देखना चाहिए, क्या साझा नहीं करना चाहिए, किससे सावधान रहना चाहिए और किसी संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री के सामने आने पर क्या करना चाहिए। विद्यालयों में भी डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार सोशल मीडिया उपयोग को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को केवल तकनीक चलाना नहीं, बल्कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करना सिखाना समय की आवश्यकता है। इसके साथ सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। अधिक से अधिक समय तक उपयोगकर्ता को प्लेटफॉर्म पर बनाए रखने की प्रतिस्पर्धा में ऐसी सामग्री को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए नुकसानदेह हो सकती है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता, शिकायतों के निवारण और उपयोगकर्ता सुरक्षा के प्रति जवाबदेही को गंभीरता से लेना होगा। हमें यह भी समझना होगा कि संस्कार केवल प्रवचन से नहीं बनते, वातावरण से बनते हैं।

यदि बच्चा घर में प्रेम, अनुशासन और सम्मान देखता है, विद्यालय में जिम्मेदारी सीखता है और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित तथा सकारात्मक सामग्री प्राप्त करता है, तो उसका व्यक्तित्व अधिक संतुलित बन सकता है। सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध न समाधान है और न ही संभव विकल्प। लेकिन उसे पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ देना भी समाज के हित में नहीं है।

सांवलराम चौधरी असाडा
एडिटर इन चीफ, पटेल टीवी
जोधपुर (राजस्थान)

मानव संसाधन क्षेत्र में भरोसे का नाम बनी बिजी ग्लोबल एचआर कंसल्टिंग सर्विसेज

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। मानव संसाधन और भर्ती सेवाओं के क्षेत्र में बिजी ग्लोबल एचआर कंसल्टिंग सर्विसेज, बिजी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड का एक प्रभाग, भारत और अफ्रीका में अपनी विश्वसनीय एवं पेशेवर सेवाओं के माध्यम से अलग पहचान बना रहा है। वर्ष 2015 में स्थापित संस्था आज विभिन्न उद्योगों के लिए कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने और व्यावसायिक परामर्श देने वाली प्रमुख संस्थाओं में शामिल है। बेंगलुरु, सूरत और अफ्रीका में अपनी उपस्थिति के साथ संस्था निर्माण, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, रसायन सहित विभिन्न क्षेत्रों में कंपनियों को मानव संसाधन, भर्ती, परामर्श और सलाहकारी सेवाएं उपलब्ध करा रही है। संस्था का उद्देश्य जरूरत के अनुरूप योग्य एवं कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित कर उद्योगों को बेहतर मानव संसाधन समाधान प्रदान करना है। कंपनी की कार्यशैली में पारदर्शी लेन-देन, नैतिक व्यापार नीतियां, किफायती मूल्य निर्धारण, विश्वसनीय सेवाएं, आसान भुगतान व्यवस्था और ग्राहकों के लिए अनुकूलित समाधान को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। संस्था का मूल मंत्र है—हम सुनते हैं, हम समझते हैं और हम समाधान प्रदान करते हैं अनुभवी नेतृत्व और व्यापक व्यावसायिक अनुभव संस्था के नेतृत्व में एमबीए (वित्त एवं लेखापरीक्षा, प्रशासन एवं मानव संसाधन) विशेषज्ञ के रूप में 24 से अधिक वर्षों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाला पेशेवर नेतृत्व है। विभिन्न बहुराष्ट्रीय एवं भारतीय कंपनियों में कार्य करने के साथ अफ्रीका और भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति के क्षेत्र में भी व्यापक अनुभव हासिल किया गया है।

बिजी ग्लोबल एचआर कंसल्टिंग सर्विसेज का लक्ष्य संस्थानों को योग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ व्यवसाय विस्तार और रणनीतिक परामर्श में सहयोग देना है। कंपनी विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहकों की जरूरत के अनुसार समाधान तैयार करने पर विशेष जोर देती है। व्यावसायिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी मितेश खंडेलवाल जी संस्था से जुड़े नेतृत्व ने बिजी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और सह-संस्थापक के रूप में आईटी कंसल्टिंग, मैनपावर एचआर तथा बैकग्राउंड वेरिफिकेशन के क्षेत्र में कार्य किया है। इसके अलावा एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स, अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन, खाद्य उत्पाद एवं प्रसंस्करण, रियल एस्टेट एवं स्टार्टअप फाइनेंसिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पेशेवर संगठनों में भी सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है।

श्री मितेश खंडेलवाल युवा चैप्टर बेंगलुरु के प्रेसिडेंट है। सामाजिक क्षेत्र में भी संस्था से जुड़े नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी रही है। खंडेलवाल युवा अध्याय बेंगलुरु के अध्यक्ष, राष्ट्रीय संयोजक सहित विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक संस्थाओं में सदस्य और पदाधिकारी के रूप में जिम्मेदारियां निभाई गई हैं। शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, सीएसआर और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यों में भी योगदान दिया जा रहा है। मेंटरिंग लीडरशिप और पैनल लिस्ट में कई विश्व स्थापित कॉलेज जैसे कि रमैया कॉलेज क्रिस्ट यूनिवर्सिटी दयानंद सागर यूनिवर्सिटी एलाइंस कॉलेज आईएसबी कॉलेज के समय अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बिजी ग्लोबल एचआर कंसल्टिंग सर्विसेज का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण सेवा, ग्राहक संतुष्टि, पारदर्शिता और विश्वास के आधार पर लंबे समय तक मजबूत व्यावसायिक संबंध कायम करना ही संस्था की प्राथमिकता है। अखिल भारतीय स्तर पर सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ कंपनी भारत और अफ्रीका में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है। अफ्रीका प्रांत में 14 से 15 देश में काम कर रहे हैं। टनीर्की प्रॉपर्टीज संपूर्ण रियल एस्टेट समाधान रेफरल चैनल पार्टनर भारत, अफ्रीका, यूरोप, मध्य पूर्व संपत्ति की बिक्री और पट्टे के लिए भी काम कर रहे हैं। रूस और वअए का एसोसिएट ऑफिस और जल्द ही ऑस्ट्रेलिया में ॠ२ सर्विस शुरू हो रही हैं।

ऑटो चालकों की एकजुटता से मजबूत होगा समाज : मुणोत

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। नाड़ प्रभु केंपेगौड़ा ऑटो संगठन, दीपांजलि नगर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने जनसमूह को संबोधित करते हुए संगठन की एकजुटता, सामाजिक सहभागिता और आपसी सहयोग के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ऑटो चालक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने संगठन के माध्यम से ऑटो चालकों के हितों, सामाजिक जिम्मेदारियों तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों पर विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके सदस्यों की एकता और आपसी सहयोग से होती है। उन्होंने ऑटो चालकों से अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने संगठनात्मक एकता और सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

श्री कृष्णा गौशाला में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलूरु, 20 अगस्त 2026। होसूर भण्डे स्थित कृष्णा गौशाला में श्री मातेश्वरी भक्त मंडल की ओर से आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का बुधवार को भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। कथा वाचक किशोरचन्द रामाणी के आगमन पर श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण राममय हो उठा।

कथा के प्रथम दिन कथा वाचक किशोरचन्द रामाणी ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीराम का जीवन सत्य, मयार्दा, त्याग और आदर्शों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने सदैव धर्म और सत्य के मार्ग पर चलते हुए समाज को कर्तव्य, संस्कार और मयार्दा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रामकथा का श्रवण मनुष्य को सदाचार, संस्कार और प्रभु भक्ति की प्रेरणा देता है। कथा के प्रथम दिन ही पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित पहुंचकर कथा का श्रवण किया।

श्री कृष्णा गौशाला के संस्थापक, आई माताजी के परम भक्त, गौ सेवक, स्वामी श्री पुष्करदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिदिन अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होकर श्रीराम कथा का लाभ लेने का आह्वान किया। कलश यात्रा एवं पूजन के लाभार्थी प्रकाश चन्द चौहान (इसीपीएल) परिवार रहे। प्रथम दिवस की महाप्रसादी के लाभार्थी कम्मनहल्ली व्यापारीगण नाथूराम सरावग, जवानराम फक, मनोहर फक, धन्नाराम चौधरी, लाखाराम पटेल, सांवलाराम माली, चेलाराम माली, मुकेश सैन एवं अचलाराम देवासी रहे। मंच संचालन मोहन सीरवी ने किया।

शाह-विजय की पहली मुलाकात, दक्षिणी राज्यों पर मंथन

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

चेन्नई, 20 अगस्त 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में चेन्नई के निकट कोवलम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक से पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार रात अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद गृह मंत्री के साथ विजय की यह पहली मुलाकात बताई गई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया। अमित शाह ने मुलाकात की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की। इसके बाद गुरुवार को कोवलम स्थित समुद्र तट के समीप एक रिसॉर्ट में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक शुरू हुई। बैठक में दक्षिणी राज्यों से जुड़े महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जा रहा है।

बैठक में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, केरल के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार तथा कर्नाटक के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन सहित अन्य प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। अंतरराज्यीय विवादों पर भी नजर दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद को केंद्र और सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के बीच विभिन्न मुद्दों और विवादों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण मंच माना जाता है। बैठक में राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे नदी जल बंटवारे सहित अन्य अंतरराज्यीय विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

कर्नाटक-तमिलनाडु, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु-केरल के बीच जल बंटवारे से जुड़े विषय लंबे समय से चर्चा में रहे हैं। ऐसे में परिषद की बैठक को दक्षिणी राज्यों के बीच समन्वय और विवादों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप शामिल हैं। परिषद की बैठकों में केवल अंतरराज्यीय विवाद ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व के व्यापक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाता है। बैठक समाप्त होने के बाद अमित शाह के मामल्लापुरम स्थित प्राचीन तट मंदिर परिसर का दौरा करने का कार्यक्रम भी बताया गया है।

नागेंद्र को वित्त विभाग देना लूट का लाइसेंस : सी.टी. रवि

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। वाल्मीकि विकास निगम घोटाले को लेकर कर्नाटक की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने मंत्री बी. नागेंद्र को लेकर मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि नागेंद्र को यदि वित्त विभाग सौंपा गया तो सरकारी खजाने की रकम भी अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित कर लूटे जाने का खतरा रहेगा। विधान सौध स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में रवि ने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम में अनुसूचित जनजाति समुदाय के कल्याण के लिए आवंटित धन को कथित तौर पर फर्जी खातों में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कई आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई और गिरफ्तारियां भी हुईं, जबकि कुछ आरोपियों को न्यायालय से शर्तों के साथ जमानत मिली है। भ्रष्टाचार की कोई जाति नहीं होती

सी.टी. रवि ने कहा कि नागेंद्र द्वारा यह कहना उचित नहीं है कि उन्हें अनुसूचित जाति से होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की कोई जाति नहीं होती और किसी भी समुदाय के कल्याण के लिए निर्धारित धन के दुरुपयोग को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि निगम के धन को कथित रूप से फर्जी खातों में भेजकर भ्रष्टाचार किया गया। रवि ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक की रक्षा करता है, लेकिन भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण देने का माध्यम नहीं है। उन्होंने नागेंद्र के दोबारा मंत्री बनने पर भी सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था और संबंधित समुदाय के लिए गलत संदेश बताया। डेथ नोट और जांच का हवाला

भाजपा नेता ने निगम के अधिकारी रहे दिवंगत चंद्रशेखर के डेथ नोट का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें कथित तौर पर घोटाले से जुड़े कई लोगों के नाम सामने आए थे। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन मंत्री के मौखिक निर्देशों तथा कुछ अधिकारियों और आरोपियों के बीच कथित संबंधों की भी जांच हुई है। रवि ने कथित तौर पर घोटाले के मुख्य आरोपी नेकुंती नागराज की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मामले में सामने आए संबंधों, बैठकों और धन के लेन-देन की जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए। नागेंद्र का इस्तीफा होने तक भाजपा का संघर्ष जारी

सी.टी. रवि ने कहा कि भाजपा नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि जब तक मामले में पूरी तरह से स्थिति स्पष्ट नहीं होती और आरोपों से संबंधित न्यायिक प्रक्रिया समाप्त नहीं होती, तब तक उन्हें मंत्री पद पर बनाए रखना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मामले में संपत्तियां जब्त की गई हैं और जांच अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि घोटाले से जुड़े वित्तीय नुकसान और जब्ती की कार्रवाई के संबंध में अंतिम तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। दूसरे विभागों की भी जांच की मांग

रवि ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार की जांच केवल वाल्मीकि विकास निगम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने श्रम, महिला एवं बाल कल्याण, खाद्य और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों से संबंधित कथित अनियमितताओं की भी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को सूखा, महंगाई, केपीएससी, बिदादी और नाइस जैसे ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोगों को पद देने से सरकार की प्राथमिकताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ उसके दावों पर सवाल उठते हैं। सी.टी. रवि ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ है तो उसे आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोगों को संरक्षण देने का राजनीतिक खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ सकता है। इस दौरान विधायक प्रभु चव्हाण, महेश तेंगिनकाई, बसवराज सहित भाजपा के अन्य नेता उपस्थित रहे।

राखी मेले में खरीदारी का रंग, 21-22 अगस्त को विशेष एग्जीबिशन

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलूरु, 20 अगस्त 2026। बेंगलूरु के वी.वी. पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में जिन्स इवेंट्स की ओर से दो दिवसीय राखी उत्सव मेला शॉपिंग एग्जीबिशन का आयोजन 21 एवं 22 अगस्त को किया जाएगा। एग्जीबिशन का उद्घाटन मारुति मेडिकल्स के महेंद्र मुणोत द्वारा किया जाएगा।

एग्जीबिशन के पोस्टर विमोचन के अवसर पर समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उन्हें व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। जिन्स इवेंट्स की प्रबंधक विजया संचेती एवं शीतल कटारिया ने बताया कि एग्जीबिशन प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलेगा। इसमें महिलाओं, बच्चों और परिवारों की जरूरत एवं पसंद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे।

एग्जीबिशन में डिजाइनर साड़ियां, फैशनेबल ड्रेसेस, इमीटेशन ज्वेलरी, होम एप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक लेडीज बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स तथा बच्चों के खिलौने उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा खान-पान और मनोरंजन के लिए भी विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार डिजाइनर साड़ियों की खरीदारी पर विशेष छूट भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एग्जीबिशन में आने वाले खरीददारों को विभिन्न उत्पादों की विविधता के साथ खरीदारी का सुविधाजनक अनुभव और संतुष्टि प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

परिसीमन पर दक्षिण की हुंकार, 543 सीटें बचाने की मांग

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी(Bhaarataarth.com)

चेन्नई, 20 अगस्त 2026। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में परिसीमन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा प्रमुखता से उठा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बैठक में प्रस्ताव पारित कर अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखने की मांग रखी। तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना की ओर से भी दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता जताई गई। शिवकुमार ने कहा कि परिसीमन में 1971 की जनगणना को आधार बनाए रखने की व्यवस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में भी जल्द कदम उठाने की मांग की और कहा कि इसके लिए जनगणना का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाटक ने रखा आर्थिक हिस्सेदारी का दावा बैठक में शिवकुमार ने कर्नाटक की आर्थिक उपलब्धियों और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान का उल्लेख करते हुए केंद्र से राज्य की वित्तीय हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग की। उन्होंने विभाज्य कर पूल में कर्नाटक की हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.7 प्रतिशत करने की मांग रखी। उन्होंने दावा किया कि 15वें वित्त आयोग के तहत हिस्सेदारी में कमी के कारण छह वर्षों में कर्नाटक को अनुमानित 65 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। साथ ही 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित 5,495 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान और 6,000 करोड़ रुपये के राज्य-विशिष्ट अनुदान जारी करने की मांग भी उठाई। बुनियादी ढांचे और किसानों पर जोर

शिवकुमार ने बेंगलुरु-मुंबई हाई-स्पीड रेल, रळफ्फ्रङ्ख४३ँ, रायचूर में अक्क्र्टर और

कल्याण कर्नाटक के लिए विशेष पैकेज में केंद्र से सहयोग बढ़ाने की मांग की। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, गरीब परिवारों के आवास, किसानों की सहायता और तटीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन जैसे विषय भी उनके एजेंडे में रहे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश की करीब 5.5 प्रतिशत आबादी के साथ जीडीपी में लगभग 9 प्रतिशत योगदान देता है। राज्य के सॉफ्टवेयर निर्यात, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, एयरोस्पेस और अन्य क्षेत्रों में योगदान का भी उन्होंने उल्लेख किया। जल विवादों पर सहयोग का संदेश दक्षिणी राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जल विवादों के बीच शिवकुमार ने पानी के बंटवारे की राजनीति से आगे बढ़कर समानता, पारदर्शिता और सहयोग पर आधारित जल प्रबंधन की वकालत की। उन्होंने कावेरी, कृष्णा, तुंगभद्रा, पेन्नार और पालार नदी घाटियों में कर्नाटक के कानूनी अधिकारों की रक्षा की बात कही। खनिज संपदा और कानून पर भी आपत्ति

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने Mines & Minerals (Development & Regulation) Bill, 2026 पर पुनर्विचार की मांग करते हुए कहा कि खनिज संपदा वाले राज्यों के वित्तीय अधिकारों की रक्षा जरूरी है। उन्होंने डिजिटल बुनियादी ढांचे, बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, न्याय व्यवस्था और केंद्रीय संस्थानों को राज्यों द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि जैसे मुद्दे भी परिषद के समक्ष रखे। नशीली दवाओं की तस्करी को गंभीर चुनौती बताते हुए उन्होंने कानून, कार्रवाई और अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। विजय ने प्रतिनिधित्व में कटौती से बचाने की मांग की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने भी बैठक में जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता जताई। उन्होंने केंद्र से स्पष्ट विधायी आश्वासन की मांग की कि ऐसे राज्यों को संसद में उनके मौजूदा प्रतिनिधित्व के प्रतिशत में कमी का नुकसान न उठाना पड़े। हालांकि, विजय ने लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को स्थायी रूप से फ्रीज करने की मांग नहीं की। उनका जोर मुख्य रूप से इस बात पर रहा कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को परिसीमन के बाद राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में नुकसान नहीं होना चाहिए। दक्षिणी राज्यों की ओर से उठी इन मांगों ने परिसीमन, वित्तीय हिस्सेदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। बैठक में दक्षिण के आर्थिक योगदान के अनुरूप संसाधनों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में संतुलन की मांग भी प्रमुखता से सामने आई।

विजयेंद्र ने संभाली रणनीति, मोदी के 25 साल पर भाजपा की बैठक

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई की ओर से गुरुवार को बेंगलुरु में वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के साथ महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों और रणनीति को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र येदियुरप्पा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संगठन को और मजबूत करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए राज्यसभा सांसद प्रो. एम. नागराज और भाजपा के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ का प्रदेश भाजपा इकाई की ओर से अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

बैठक में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर, राज्य सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता एन. रविकुमार स्वामी चालावादी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, पूर्व मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, विधान परिषद सदस्य और अन्य प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा नेताओं ने संगठनात्मक स्तर पर आपसी समन्वय बढ़ाने और राज्य में आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी चर्चा की। बैठक को कर्नाटक में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौसेवा से संवरता है जीवन : तेजराज शर्मा

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। सरजापुर रोड स्थित माध्यम गौशाला का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष एवं गौशाला के संस्थापक सुनील शर्मा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं और गौभक्तों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत गौपूजन से हुआ। इसके बाद गौशाला परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की संगमरमर से निर्मित मनमोहक प्रतिमा की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्थापना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर गौसेवा और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। गौशाला में गौग्रास के लिए शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष तेजराज शर्मा ने 1,00,111 रुपये की राशि भेंट की। इस योगदान के लिए शर्मा का पत्नी इंद्रा शर्मा सहित माला, साफा और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर तेजराज शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म में गाय को गौमाता का दर्जा दिया गया है। गौपूजन और गौसेवा को भारतीय संस्कृति में विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व प्राप्त है। उन्होंने कहा कि गौमाता सनातन धर्म और संस्कृति की संवाहक हैं तथा गौसेवा से जीवन में सकारात्मकता और संस्कारों का विकास होता है। रसोईघर का शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान गौशाला संस्थापक सुनील शर्मा और संतोष शर्मा ने परिसर में प्रसाद निर्माण के लिए पक्के रसोईघर के निर्माण का शिलान्यास किया। बताया गया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। संस्थापक सुनील शर्मा ने गौशाला की 15 वर्षों की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निरंतर सहयोग और समाज की सहभागिता से गौशाला ने विकास के कई पड़ाव पार किए हैं। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी का आयोजन किया गया। समारोह में सत्यनारायण शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, जे. बाबूलाल शर्मा, चेतन शर्मा, राजेश शर्मा, महेंद्र शर्मा, डी. बाबूलाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, संदीप शर्मा, गोविंद शर्मा, किशनलाल शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, निर्मल शर्मा, भरत शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं गौभक्त उपस्थित रहे।

हिमाचल की बिगड़ती अर्थव्यवस्था पर BJP का वार, सुक्खू को नसीहत

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

शिमला, 20 अगस्त 2026।हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति, बढ़ते कर्ज और विकास कार्यों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। हिमाचल भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को भाजपा सांसदों की भूमिका पर सवाल उठाने के बजाय प्रदेश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति और विकास की रफ्तार पर ध्यान देना चाहिए। CPRI मुख्यालय में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कश्यप ने प्रदेश के बढ़ते कर्ज, सरकारी खर्च, अधिकारियों के कैडर, केंद्रीय सहायता और हिमकेयर योजना सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। भाजपा सांसदों को किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

सुरेश कश्यप ने कहा कि भाजपा सांसदों को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से किसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं

है। लोकसभा और राज्यसभा के भाजपा सांसद अपनी संवैधानिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारियों से भली-भांति परिचित हैं। हिमाचल के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के सामने उठाने के लिए उन्हें किसी से सीख लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल से जुड़े विषय जब भी केंद्र सरकार के सामने रखे गए, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने प्रदेश की जरूरतों को गंभीरता से सुना और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया। केंद्र से मदद लेकर धन्यवाद भूल जाती है सरकार कश्यप ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश के मंत्री दिल्ली जाकर केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करते हैं और विकास योजनाओं के लिए धनराशि प्राप्त करते हैं, लेकिन हिमाचल लौटने के बाद केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना भूल जाते हैं।

उन्होंने कहा कि कई केंद्रीय योजनाओं में हिमाचल को विशेष सहायता मिल रही है और आपदा एवं विकास कार्यों में भी केंद्र का सहयोग मिला है। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार राजनीतिक कारणों से केंद्र पर आरोप लगाती रहती है। बढ़ते कर्ज पर सरकार को घेरा राजस्व घाटा अनुदान का जिक्र करते हुए कश्यप ने कहा कि यह एक अस्थायी व्यवस्था थी। उन्होंने कांग्रेस सरकार के आत्मनिर्भर हिमाचल और विकसित राज्य बनाने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को अपनी आय बढ़ाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और कर्ज पर निर्भरता कम करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। कश्यप ने कहा कि जिस गति से प्रदेश पर कर्ज बढ़ रहा है, वह हिमाचल के आर्थिक भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अधिकारियों के कैडर पर भी निशाना

कअर, कढर और अन्य अधिकारियों के कैडर में कमी के प्रस्ताव को लेकर भी कश्यप ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खर्च कम करने के लिए गलत दिशा में कदम उठा रही है। कश्यप ने कहा कि अधिकारियों का कैडर घटाने के बजाय सरकार को अनावश्यक राजनीतिक नियुक्तियों और फिजूलखर्ची पर नियंत्रण करना चाहिए। गुटबाजी के आरोप पर पलटवार भाजपा में गुटबाजी के आरोपों पर कश्यप ने कहा कि पार्टी में केवल एक ही गुट है और वह भारतीय जनता पार्टी है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा अपनी एकजुटता और मजबूती का परिचय देगी। उन्होंने हाल के पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों का हवाला देते हुए भाजपा को मिले जनसमर्थन का दावा किया और कहा कि यदि इन चुनावों को विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाए तो जनता ने कांग्रेस को अपना संदेश दे दिया है। वंदे मातरम् पर भी कांग्रेस को घेरा

वंदे मातरम् को लेकर भी कश्यप ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता का सम्मान भाजपा के लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्र के गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सम्मान के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिमकेयर योजना को कमजोर न करने की अपील हिमकेयर योजना पर कश्यप ने कहा कि इससे प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों को इलाज के लिए आर्थिक सुरक्षा मिली है। उन्होंने कहा कि यदि योजना में किसी प्रकार की अनियमितता की आशंका है तो सरकार निष्पक्ष जांच कराए और दोषियों पर कार्रवाई करे, लेकिन पूरी योजना को कमजोर या बंद करना समाधान नहीं है। कश्यप ने कांग्रेस सरकार से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों, विकास कार्यों और आम जनता की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद प्रदेश की आर्थिक स्थिति और विकास की गति चिंता का विषय बनी हुई है।

अणम्मा देवी उत्सव में उमड़ा उल्लास, मुणोत ने की सेवा

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। बापूजी नगर क्षेत्र में नागरिकों ने अणम्मा देवी उत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया। उत्सव के दौरान धार्मिक माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने शिरकत की। उन्होंने अणम्मा देवी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ सेवा और अन्नदान जैसे कार्य समाज में सहयोग एवं मानवीय संवेदना की भावना को मजबूत करते हैं।

अन्नदान कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान धार्मिक परंपराओं और सामाजिक सहभागिता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों की ओर से महेंद्र मुणोत का सम्मान किया गया। क्षेत्रवासियों ने उत्सव को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यूपी में चकबंदी के नियम बदले, 3% से ज्यादा जमीन कटौती पर आयुक्त की मंजूरी जरूरी

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

लखनऊ, 20 अगस्त 2026। उत्तर प्रदेश में चकबंदी प्रक्रिया को लेकर सरकार ने किसानों और जमीन मालिकों के हित में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक उपयोग के नाम पर किसानों की जमीन में अनावश्यक कटौती न की जाए। नई व्यवस्था का उद्देश्य चकबंदी के दौरान भूमि कटौती को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। 3 प्रतिशत से ज्यादा कटौती पर अनुमति अनिवार्य नई व्यवस्था के अनुसार किसी गांव में सार्वजनिक प्रयोजन के लिए तीन प्रतिशत से अधिक भूमि की कटौती आवश्यक होने पर चकबंदी आयुक्त की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना मंजूरी अतिरिक्त भूमि काटने या अधिग्रहित करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

प्रशासन का जोर इस बात पर है कि विकास अथवा सार्वजनिक कार्यों के नाम

पर किसानों की जरूरत से ज्यादा, विशेषकर उपजाऊ भूमि, प्रभावित न हो। विशेष परिस्थिति में ही बदलेगी चकबंदी योजना चकबंदी योजना में बदलाव या प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया को भी सख्त किया गया है। ऐसी कार्रवाई केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में ही की जा सकेगी। इसके लिए संबंधित जिले के जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ विस्तृत प्रस्ताव चकबंदी आयुक्त को भेजना होगा। आयुक्त की पूर्व अनुमति के बाद ही योजना में बदलाव से संबंधित आदेश जारी किया जा सकेगा। किसानों के अधिकारों पर रहेगा विशेष जोर

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पूरी चकबंदी प्रक्रिया में किसानों के हितों और अधिकारों का विशेष ध्यान रखा जाए। सामान्य परिस्थितियों में सार्वजनिक कार्यों के लिए तीन प्रतिशत से अधिक भूमि की कटौती नहीं की जाएगी। इससे अधिक भूमि की आवश्यकता होने पर उसके ठोस कारणों का उल्लेख करते हुए उच्च स्तर पर प्रस्ताव भेजना होगा। लापरवाही पर अधिकारियों पर कार्रवाई चकबंदी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को नए दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। बिना पूर्व अनुमति किसानों की जमीन में अतिरिक्त कटौती, नियमों की अनदेखी या प्रक्रिया में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था से चकबंदी के दौरान भूमि कटौती को लेकर किसानों की आशंकाओं और विवादों में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए भूमि के इस्तेमाल की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की संभावना है।

इच्छाओं से मुक्ति में स्थायी सुख का राज: मुनि वीरसागर

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026।ज्ञानोदय परिसर स्थित इनर रिफ्लेक्शन सेंटर, तुबरहल्ली में चल रहे आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने राग से वैराग्य का मनोविज्ञान – Know the Secret विषय पर चिंतनपरक प्रवचन दिया। उन्होंने राग, आसक्ति, इच्छा और वैराग्य के मनोवैज्ञानिक संबंध को सरल एवं व्यावहारिक ढंग से समझाते हुए कहा कि स्थायी सुख इच्छाओं की पूर्ति में नहीं, बल्कि इच्छाओं से मुक्ति में है।इच्छाएं ही जीवन को बनाती हैं कठिन मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य सामान्यतः संसार को सहज और संयम-त्याग के मार्ग को कठिन मानता है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है।इच्छाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य निरंतर प्रयास करता रहता है, लेकिन एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। उन्होंने इच्छा की तुलना अग्नि से करते हुए कहा कि जिस प्रकार अग्नि में ईंधन डालने से वह शांत होने के बजाय और प्रज्वलित होती है, उसी प्रकार इच्छाओं को भोग के माध्यम से पूरा करने की कोशिश उन्हें समाप्त नहीं करती, बल्कि बढ़ाती जाती है। जीवन की दिशा का भी करें मूल्यांकन

प्रवचन में मुनि श्री ने श्रद्धालुओं से अपने जीवन की दिशा का तार्किक मूल्यांकन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति किसी कार्य में निवेश करने

से पहले उसके लाभ, हानि और परिणाम का आकलन करता है, लेकिन जीवन की दिशा तय करते समय अक्सर ऐसा नहीं करता।

उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने जीवन के कई दशक धन, प्रतिष्ठा, सुविधाओं और सांसारिक उपलब्धियों के पीछे लगा देता है, जबकि इनसे मिलने वाला सुख स्थायी नहीं होता। इसके विपरीत संयम, आत्मानुशासन और आध्यात्मिक साधना आत्मिक शांति की दिशा में ले जाती है। सुख और अस्थायी राहत में अंतर मुनि श्री ने कहा कि जिसे मनुष्य कई बार सुख समझता है, वह वास्तव में किसी असुविधा से मिली अस्थायी राहत भी हो सकती है। भूख में भोजन, प्यास में पानी या किसी इच्छा की पूर्ति से मिलने वाली प्रसन्नता को स्थायी आनंद नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि जब तक सुख किसी बाहरी वस्तु, परिस्थिति या इच्छा की पूर्ति पर निर्भर है, तब तक वह स्थायी नहीं हो सकता। वास्तविक सुख तब प्रारंभ होता है, जब व्यक्ति बाहरी विषयों पर निर्भरता से ऊपर उठकर अपने भीतर के आनंद को पहचानता है। वैराग्य पलायन नहीं, दृष्टिकोण परिवर्तन

मुनि श्री वीरसागर जी महाराज ने स्पष्ट किया कि वैराग्य का अर्थ संसार से पलायन नहीं, बल्कि संसार को देखने की दृष्टि में परिवर्तन है। जब व्यक्ति सांसारिक वस्तुओं और उपलब्धियों की परिवर्तनशीलता को समझने लगता है, तब आसक्ति धीरे-धीरे कम होने लगती है और आत्मकल्याण की दिशा में उसकी यात्रा प्रारंभ होती है। उन्होंने कहा कि राग से वैराग्य की यात्रा बाहरी बदलाव से अधिक आंतरिक परिवर्तन की यात्रा है। इच्छाओं के पीछे भागने के बजाय उनकी प्रकृति को समझना और उन पर विजय प्राप्त करना आत्मिक उन्नति का आधार है। श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन की प्रेरणा

प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को अपने जीवन, इच्छाओं और सुख की वास्तविक परिभाषा पर गंभीरता से विचार करने की प्रेरणा मिली। मुनि श्री ने समझाया कि जब मनुष्य संसार से मिलने वाली क्षणिक राहत और आत्मा से प्राप्त होने वाले स्थायी आनंद का अंतर समझ लेता है, तभी राग से वैराग्य और भोग से योग की दिशा में वास्तविक परिवर्तन शुरू होता है। ज्ञानोदय परिसर में आयोजित इस आध्यात्मिक सत्र ने श्रद्धालुओं को इच्छाओं के स्वरूप को समझने, आत्मचिंतन करने तथा जीवन को अधिक सार्थक और आत्मकल्याणकारी दिशा देने की प्रेरणा दी।

तीन दिन से डूबा प्रयागराज, मेयर बोले—ऐसे हाल में अमेरिका-रूस भी बह जाएं

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

प्रयागराज, 20 अगस्त 2026। प्रयागराज में लगातार हो रही बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। पिछले तीन दिनों से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सड़कें और गलियां पानी में डूबी हैं, जबकि कई स्थानों पर बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया है। इससे लोगों को आवागमन

के साथ रोजमर्रा के कामकाज में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के कई मोहल्लों में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर जमा है। कुछ इलाकों में लोगों को घुटनों तक भरे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। घरों में पानी घुसने से कई परिवारों को स्वयं पानी बाहर निकालने की मशक्कत करनी पड़ रही है। नालों की सफाई पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों ने नालों की पर्याप्त सफाई नहीं होने और कमजोर जल निकासी व्यवस्था को जलभराव की प्रमुख वजह बताया है। लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में हर वर्ष शहर के कई हिस्सों में यही स्थिति सामने आती है, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। मेयर के बयान से बढ़ी सियासी हलचल

जलभराव को लेकर प्रयागराज के भाजपा मेयर गणेश केसरवानी से सवाल पूछे जाने पर उन्होंने भारी बारिश और प्राकृतिक परिस्थितियों का हवाला दिया। मेयर ने कहा कि ह्लजब इस तरह की स्थिति पैदा होती है तो अमेरिका और रूस भी बह जाते हैं ।ह्व उनके इस बयान के बाद जलभराव और नगर निगम की तैयारियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष और स्थानीय नागरिक नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। पंप लगाकर पानी निकालने में जुटा प्रशासन

प्रशासन का कहना है कि जलभराव वाले इलाकों में राहत एवं जल निकासी का काम लगातार जारी है। नगर निगम की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर पंपों की मदद से पानी निकाल रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है। हालांकि, लगातार तीन दिनों से बने जलभराव ने शहर की जल निकासी व्यवस्था और मानसून से पहले की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों को अब बारिश थमने के साथ जलभराव से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। हाई कोर्ट भी जता चुका है नाराजगी प्रयागराज में जलभराव की समस्या को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट भी पहले नाराजगी जता चुका है। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रयागराज के जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को तलब किया है। प्रशासन को अदालत के समक्ष जलभराव की स्थिति, जल निकासी व्यवस्था और समस्या से निपटने की तैयारियों के संबंध में जवाब देना होगा।

गौ सम्मान आह्वान अभियान की बैठक 22 अगस्त को बेंगलुरु में

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। बेंगलुरु में गो सम्मान आह्वान अभियान को लेकर विशेष कार्यशाला एवं बैठक का आयोजन 22 अगस्त, शनिवार को किया जाएगा। अभियान से जुड़े कार्यकताओं, गोभक्तों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

आयोजित कार्यशाला में परम पूज्य श्री स्वामी गोपालानंद जी सरस्वती, श्रीधाम वृंदावन, उत्तर प्रदेश; परम पूज्य बालयोगी महंत श्री गणेश दास जी उदासीन, उदासीन मठ गौशाला, बेंगलुरु तथा डॉ. वाई. वी. कृष्णमूर्ति गोपरिवार, श्री रामचंद्र पुरा मठ, होसनगर का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। पोस्टर के अनुसार कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा। कार्यशाला का उद्देश्य गो सम्मान एवं गोसेवा से जुड़े अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने तथा समाज में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता को मजबूत करना बताया गया है।

कार्यक्रम का आयोजन केशव शिल्पा, राघवेंद्र कॉलोनी, केम्पेगौड़ा नगर, बेंगलुरु, कर्नाटक-560018 में किया जाएगा। आयोजकों ने अभियान से जुड़े सभी भक्तजनों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होकर सहभागिता निभाने की अपील की है। कार्यक्रम के संपर्क सूत्र के रूप में 9342536035, 9902900099, 9929910919 एवं 99902476719 नंबर जारी किए गए हैं।

संत राजारामजी महाराज को भागवत कथा का न्योता

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

बेंगलुरु, 20 अगस्त 2026। बलेपेट स्थित आई माताजी मंदिर में राजपूत समाज कर्नाटक की ओर से संत श्री राजारामजी महाराज, पुष्कर धाम को आगामी धार्मिक आयोजन के लिए आमंत्रित किया गया। समाज के प्रतिनिधियों ने संत श्री से धार्मिक

कार्यक्रम में पधारकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करने का आग्रह किया।

राजपूत समाज कर्नाटक की ओर से बताया गया कि आगामी 26 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक चामुंडा माता मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा एवं नानीबाई का मायरा कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। सनातन धर्म प्रेमियों से भागीदारी का आह्वान

आयोजकों ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक आयोजन का लाभ लेने का आग्रह किया। आयोजन को लेकर समाजजनों में उत्साह का माहौल है तथा श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। इस अवसर पर राजपूत समाज कर्नाटक के अध्यक्ष जबर सिंह साथु, पूर्व अध्यक्ष गायड़ सिंह, सोहन सिंह बाला, मगसिंह दहिया, विजय सिंह परमार एवं शैतान सिंह काबावत सहित समाज के अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

डॉ. उम्मेदराम पटेल बने बालोतरा के CMHO

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

शिकारपुरा, 20 अगस्त 2026। डॉ. उम्मेदरामजी पटेल (सोलंकी) को बालोतरा जिले का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) नियुक्त किए जाने पर मित्रों, शुभचिंतकों एवं परिचितों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डॉ. पटेल की नियुक्ति पर शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। इस अवसर पर उनके सम्मान में आत्मीय मुलाकातों का सिलसिला भी जारी रहा।

इसी क्रम में श्री राजेश्वर भगवान के शिकारपुरा आश्रम में मित्रों एवं शुभचिंतकों के साथ दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। उपस्थित लोगों ने डॉ. पटेल के नए दायित्व के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे अपने कार्यकाल में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शुभेच्छुओं ने ईश्वर से डॉ. उम्मेदराम पटेल के निरंतर प्रगति, यशस्वी कार्यकाल और जनसेवा के क्षेत्र में सफलता की कामना की।

18वीं बार बाबा रामदेवरा की पैदल यात्रा पर निकला बालाजी ग्रुप

भारतार्थ खबर। संवाददाता: धन्नाराम चौधरी (Bhaarataarth.com)

समदड़ी/जेठन्तरी, 20 अगस्त 2026। समदड़ी क्षेत्र के जेठन्तरी गांव से बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए बालाजी ग्रुप का 18वां पैदल यात्रा संघ बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ रणुजा धाम रामदेवरा के लिए रवाना हुआ। संघ संचालक एवं बालाजी ग्रुप अध्यक्ष राजेश भाटी के नेतृत्व में 11 सदस्यों का यह पैदल संघ लगातार

18वीं बार बाबा रामदेवजी के दरबार में शीश नवाने के लिए यात्रा पर निकला।

यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी यात्रियों ने जेठन्तरी स्थित हनुमानजी मंदिर, ठाकुरजी मंदिर एवं बाबा रामदेवजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद खारवा स्थित श्री निंबेश्वर महादेव मठ पहुंचकर समाधि के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। मठाधीश महंत भुनेश्वर पुरी जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद श्रद्धालु बाबा रामदेवजी के जयकारों के बीच पैदल यात्रा के लिए रवाना हुए।

इस दौरान डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते और बाबा रामदेवजी के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं में बाबा के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। बालाजी ग्रुप का पैदल संघ करीब पांचवें दिन रणुजा धाम रामदेवरा पहुंचेगा। वहां बाबा रामदेवजी यानी रामसा पीर के दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र एवं परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाएगी।

पैदल यात्रा में राजेश भाटी, कैलाश वैष्णव, लूणसिंह राजपुरोहित, भंवर सुथार, जोगाराम सुथार, महावीर बोराणा, राहुल सुथार, दरगाराम प्रजापत, गणपतलाल माली, दिलीप सिंह, जुगल वैष्णव, जगदीश एवं मोहन भाई सहित श्रद्धालु शामिल रहे। बालाजी ग्रुप की यह लगातार 18वीं पैदल यात्रा धार्मिक आस्था, सामूहिक भक्ति और बाबा रामदेवजी के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक बनी हुई है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

Printed Published & Owner by Dhanna Ram Choudhary And Printed at MNS Printers Pvt. Ltd., No.345/4, Bhattarahalli, Old Madras Road, Bengaluru Karnataka-560049. And Published at Maruthi"Plaza", No. 10/1, 1st Cross Road, 3rd Floor , Oil Mill Road, Arvind Nagar , Maruthi Seva Nagar Post, Kammanahalli, Bengaluru Urban, Karnataka -560033, Editor Dhanna Ram Choudhary , For Editorial 91641 17755, Advertisement 88676 89130 , RNI No. KNHIN/2026/A5540. E-Mail: news@bhaarataarth.com, Website: bhaarataarth.com, Established: 2026